अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 21 जुलाई, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) जिन के उपासक कहलाते हैं-

(क) जैन (ख) वीतराग

(ग) श्रमण (घ) तीर्थंकर ( )

(b) वचन के दोष हैं-

(क) रोष (ख) वैयावृत्य

(ग) संक्षेप (घ) संशय ( )

(c) चौथी पर्याप्ति है-

(क) शरीर (ख) श्वासोच्छ्वास

(ग) मन (घ) इन्द्रिय ( )

(d) प्रभु महावीर ने दीक्षा से पूर्व प्रतिदिन कितनी स्वर्ण मुद्राओं का दान दिया-

(क) 1 करोड़ 80 लाख (ख) 1 लाख 80 हजार

(ग) 1 करोड़ 8 लाख (घ) 1 लाख 8 हजार ( )

(e) 17वें तीर्थंकर हैं-

(क) धर्मनाथजी (ख) अरनाथजी

(ग) मुनिसुव्रतजी (घ) कुंथुनाथजी ( )

(f) धर्म का मूल है-

(क) विनय (ख) क्षमा

(ग) सत्य (घ) अहिंसा ( )

(g) मानव जीवन का भयंकर कोढ़ क्या है-

(क) शिकार (ख) वैश्यागमन

(ग) मांसभक्षण (घ) मदिरापान ( )

(h) साधु-साध्वी के उपाश्रय में जाते वक्त पालने योग्य नियम कहलाते हैं-

(क) त्याग (ख) प्रत्याख्यान

(ग) व्रत (घ) अभिगम ( )

(i) रसनेन्द्रिय के विकार हैं-

(क) 96 (ख) 12

(ग) 20 (घ) 60 ( )

(j) शब्द के बीच में आधा अक्षर आने पर जोर देकर बोला जाता है-

(क) पहले वाले अक्षर पर (ख) बाद वाले अक्षर पर

(ग) आधे पर अक्षर पर (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) मनुष्य का अहंकार ही उसे दुःख देता है। ( )

(b) स्मगलिंग का धंधा करना जुआ है। ( )

(c) वैकिय मिश्र शरीर का भेद है। ( )

(d) शब्द के अंत में अनुस्वार आने पर अनुस्वार का उच्चारण 'म्' होता है। ( )

(e) महाव्रत या अणुव्रत का पालन करना चारित्र है। ( )

(f) जन्म-मरण के भव बन्धनों को समाप्त करने का उपाय गुरु ही बतलाते हैं। ( )

(g) भगवान महावीर ने जाति-पाँति एवं लिंग के भेदभाव को मिटाने हेतु उपदेश दिये। ( )

(h) घ्राणेन्द्रिय के 12 विकार होते हैं। ( )

(i) भगवान महावीर के 3,18,000 श्रावक थें। ( )

(j) विनीत व्यक्ति ही संयमी हो सकता है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1=(10)**

(a)	लोगस्स	(क) जुआ	.....
(b)	भय	(ख) गुरु	.....
(c)	मल	(ग) उक्कित्तणं	.....
(d)	शतरंज	(घ) शरीर	.....
(e)	चालू टार्च	(च) व्यसन	.....
(f)	तस्सउत्तरी	(छ) धर्म	.....
(g)	तैजस	(ज) मन का दोष	.....
(h)	कर्त्तव्य	(झ) सचित्त का त्याग	.....
(i)	भारी	(य) काया का दोष	.....
(j)	कुटेव	(र) उत्तरीकरण	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मेरा घर-भर में शासन चलता है। .....

(b) मैं पहले सुखद, आकर्षक एवं लुभावना लगता हूँ। .....

(c) मैं मोक्ष मार्ग का प्रथम सोपान हूँ। .....

(d) हम स्वयं गृह त्यागकर साधु धर्म स्वीकारते हैं। .....

(e) मेरी अशुद्ध स्थिति संसार है। .....

(f) मैं प्रत्यक्ष उपकारी होने से सर्वप्रथम मुझे नमस्कार किया गया है। .....

(g) मेरी साधना बड़ी कठोर है। .....

(h) मेरे आठ विषय हैं। .....

(i) मेरे सेवन से गुर्दे खराब हो जाते हैं। .....

(j) मैने आज जीव हिंसा को प्रोत्साहन दिया है। .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए- (नोटः- कोई 12) **12x2 = (24)**

(a) श्रद्धा एवं पालन की अपेक्षा से जैन के कौन-कौन से प्रकार होते हैं ?

.....

.....

.....

(b) अरिहंत ने कौनसे कर्मों का क्षय किया है ?

.....

.....

.....

(c) 9वें, 13वें, 19वें एवं 22वें तीर्थंकर का नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(d) चोरी किस-किस रूप में होती है ?

.....

.....

.....

(e) सामायिक सम्बन्धी काया के कोई चार दोषों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(f) सामायिक प्रतिज्ञा सूत्र का पाठ लिखिए।

.....

.....

.....

(g) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

सुविहिं .....

.....

..... वंदामि।।

(h) अन्नत्थ .....

.....

..... मुच्छाए।।

(i) 25 बोलों में से तीसरा बोल लिखिए।

.....

.....

.....

(j) अनुस्वार के बाद में निम्न अक्षरों के होने पर अनुस्वार का उच्चारण क्या होता है-

(क) व ..... (ख) ह .....

(ग) ड ..... (घ) त्र .....

(k) उत्तरासंग धारण का अर्थ क्या है ?

.....

.....

.....

(l) प्रार्थना में से पूर्ण करके लिखिए-

जिस.....

.....

..... प्राणी।।

(m) दु:खों के मूल कारण क्या हैं और उन कारणों का नाश किससे संभव है ?

.....

.....

.....

(n) विनयशीलता के प्रथम दो लक्षण लिखिए।

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - कोई बारह **12x3=(36)**

(a) जैन धर्म का पालन कौन-कौन कर सकते हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(b) सच्चा गुरु किसे कहते हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(c) सामायिक पारने की विधि लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(d) कुव्यसन-त्याग से क्या-क्या लाभ हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(e) सामायिक में क्या-क्या कार्य करने चाहिए ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) गमणागमणे .....उद्दविया। उक्त पाठ को पूर्ण करके लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) बाल गंगाधर तिलक ने विनय के सम्बन्ध में क्या कहा है ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) अंतिम सात गुणस्थानों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(i) 25 बोलों में से छठा बोल लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(j) भगवान महावीर को केवल ज्ञान-केवल दर्शन की उपलब्धि कब और कहाँ हुई ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(k) ''नित नई.....तारी है।'' उक्त प्रार्थना को पूर्ण कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(l) मन के दोषों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(m) नवकार मंत्र में पहले अरिहंतों को नमस्कार क्यों किया गया है ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(n) संसारी देवता हमारे आर्दश क्यों नहीं हो सकते हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....